Vol 3 Issue 3 Dec 2013

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA
UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Review Of Research
Vol. 3, Issue. 3, Dec. 2013
ISSN:-2249-894X
Available online at www.ror.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

समाजिक एंव राजनीतिक परिपेक्ष्य में भ्रष्टाचार

REETA SHARMA

सारांश :

भ्रष्टाचार जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है आचरण की भ्रष्टता अर्थात् पतन या गिरने से सम्बधित है। प्रत्येक समाज का उसकी समाज और संस्कृति के अनुरूप आचरण का एक मानक कथित – अकथित दोनों रूप में स्थित है। भ्रष्टाचार किसी भी राष्ट्र के विकास में बहुत ही बाधा उत्पन्न करता है व्यक्ति के व्यक्तित्व से लेकर संपूर्ण राष्ट्र की महिमा को भी यह धूलिसात कर डालता है। यह हमारे बीच ठीक तरह रस – बस गया है जिस तरह सुन्दर और स्वादिष्ट फल में कोई कीडा।

प्रस्तावना :

आज संपूर्ण भरत वर्ष में सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं से ग्रस्त है, चारों ओर भ्रष्टाचार अनैतिकता की समस्या विध्यमान है मानव जीवन मानों समस्याओं का पीटारा बन बैठा है चाहे वह गरीब हो या, अमीर, निम्न हो या उच्चा, राजनेता हो या समाज सुधारक, सभी किसी – न – किसी समस्या से प्रभावित है। भ्रष्टाचार इस कदर अपने पैर जमा बैठी है जिसको समाप्त करना या डिगाना संभव प्रतीत नहीं होता।

आज के इस आधुनिक युग में मानव इतने तेजी से बदल रहा है जिसे बतलाने की आवश्यकता नहीं है या सर्व विदित है। पर समाज में व्याप्त अनेक प्रकार के भ्रष्टाचार देश को खोखला कर रहे है और यह दिन प्रतिदिन अग्रसर होता चला जा रहा है। कहीं राजनीति के नाम पर तो कहीं धर्म के नाम पर तो कहीं मानव कल्याण के और समाज के नाम पर आदि। अतः किसी भी देश के विकास एवं समृद्विके लिए नैतिक, सामाजिक, व्यवहारिक एवं राजनीतिक के ज्ञान आदि होना आवश्यक है, क्योंकि यह मानव को श्रेष्ठ बनाती है एंव मानव जीवन को सरल एवं सुव्यवस्थित भी, ऐसा लगता है कि भ्रष्टाचार का भस्मासुर, इस देश को ही भस्म कर देगा। सच पूछा जाय तो देश की चान या पाकिस्तान से जितना खतरा नहीं है उससे ज्यादा भ्रष्टाचार से है जब देश अंदर से ही खोखला हो जाएगा जो उसे कोई भी हरा सकता है, गुलाम बना सकता है। प्रधानमंत्री एक तरफ से कहते है कि भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, पंरतु वास्तविकता यह है कि शायद हमने उसे कम से कम 90 प्रतिशत की छूट दे रखी है। भ्रष्टाचार के राक्षसों को तो छोड दिया जाता है, चूहो को जरूर पकड लिया जाता है।

आज हमारे देश में नेताओं की गंभीर स्थिति का मड है जहाँ हमारे यहाँ नेता को प्रतिश्ठा की दृष्टि से देखा जाता था वही आज घृणा का विषय बन गया है, इसका मुख्य कारण यह है कि वह अपनी नैतिकता को भूल जाते है और हिंसा अत्याचार भ्रष्टाचार अनेकों प्रवृति अपना लेते है वैसी राजनितिज्ञों से न हमारा देश का उत्थान हो सकता है और न समाज का आज के समय में हमारे देश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुँच गया है इस भ्रष्टाचार को मिठाने के लिए सादा जीवन और उच्च विचार रखने वाले एक समाज सेवक के रूप में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आन्दोलन चला रहे है जिसे देश और विदेश में सराहनीय का विषय बन गया है। इस विषय पर सिंहलोकन करने से हमें पता चलता है कि हर सुविधाओं नेताओं और राजनीतिज्ञों से नहीं करनी चाहिए। कुछ हमें समाज का दायित्व बनता है कि हमें समाज ने क्या दिया?

सवाल में नहीं कि नेताओं ने देश के लिए क्या किया।
सवाल यह है कि अपने देश को क्या दिया।।

भारत के सार्वजनिक जीवन तथा प्रशासन में भ्रष्टाचार एक वास्तविकता है। परिणामस्वरूप सम्पूर्ण प्रशासनिक

एवं राजनितिक जीवन दुषित हो गया। भ्रष्टाचार की व्यापकता इतनी है कि नागरिको ने प्रशासन की ईमानदारी से अपना ईमानदारी विश्वास खो दिया है यह आम धारणा बन गई है कि प्रशासन में भ्रष्टाचार के लिए सबसे अधिक दोषी राजनीतिक नेता और प्रशासनिक अधिकारी है।

भ्रष्टाचार का अर्थ है किसी सरकारी अधिकारी द्वारा जनहित को नुकसान पहुँचाकर निजी आर्थिक लाभ प्रभाव वृद्विऔर अन्य निजी लाभों के लिए शक्तिसता स्थिति और सरकारी संसाधनों को दुरूपयोग करना एवं संवैधानिक कानून तथा स्वीकृत मानदण्डों का उल्लधंन करना भ्रष्टाचार के विभिन्न रूप है– सरकारी कार्य के लिए पैसे के रूप में धूस लेना, सरकारी सम्पति वाहनों का निजी उपयोग के लिए प्रयोग करना, चुनाव के लिए धन जुटाना, गलत सुचना देना, अनैतिक करना आदि।

भ्रष्टाचार के कारण – भारत में भ्रष्टाचार के निम्नलिखित कारण हैः–

1. आर्थिक कारण – गरीबी और मंहगाई भ्रश्टाचा के प्रमुख कारण।

2. मूल्यों और विचारों का सघर्ष – भारत में मानवीय मूल्यों और मान्यताओं में गिरावट आई है, इससे भ्रष्टाचार पनपती है।

3. सामाजिक कारण – समाज में पैसे वालों की इज्जत होती है। फलतः लोग भ्रष्ट तरीकों से पैसे कमाने लगते है।

4. प्रभावशाली और जागरूक जनमत का अभाव – भारत में भ्रष्टाचार की बुराई के विरूद्वप्रभावशाली और जगरूक जनमत का अभाव।

5. जटिल और देर लगने वाली प्रक्रिया – सरकारी कार्यालयों में कार्य करने की प्रक्रिय जटिल और देर लगाने वाली है। फलतः देरी से कार्य करने में अधिकारी संकोच नहीं करते है। संथानम कमेटी ने इसे चममक डवदमल की संज्ञा दी है।

6. औद्योगिक धराने द्वारा प्रोत्साहन – भारत के औद्योगिक धराने, अपना काम करने हेतु राजनेता और अधिकारी को प्रलोभन देते है। साथ ही धन तथा अन्य सुविधाएँ देते है।

7. सरकारी अधिकारियों को दी गई कानूनी सुरक्षा – भारत में सरकारी अधिकारियों को अपने विरूद्वकार्यवाई के लिए काफी सुरक्षा प्राप्त है। इन्हें आसानी से पदमुक्त नहीं किया जा सकता है।

8. चुनाव का बढता हुआ खर्च – चुनाव खर्च के लिए राजनेता, उद्योगपतियों से पैसा लेते है और उनके लिउ गलत कार्य करते है।

भ्रष्टाचार निवारण हेतु समाधान :–

1.प्रभावशाली और जागरूक जनमत – देश में एक प्रबृद्वऔर जागरूक जनमत आवश्यक है जो अधिकारियों पर निगरानी रख सके।

2.विवके सम्मत वातावरण – भ्रश्टाचार को दूर करने के लिए समान में आर्दश चरित्र को महत्व मिलना चाहिए।

3.गरीबी उन्मूलन और वेतन विषमता में कमी – देश में गरीबी उन्मूलन आवश्यक है डॉ. राम मनोहर लोहिया का सुझाव अच्छा है कि उच्चा अधिकारियों और निम्न अधिकारियों के वेतन को विषमता निम्नतम होनी चाहिए।

4.नैतिक आचार संहिता – देश में एक नैतिक आचार संहिता होनी चाहिए।

5.पर्याप्त वेतन और सुविधा – लोक सेवकों को पर्याप्त वेतन तथा सुविधाएँ मिलनी चाहिए।

6.कठोर दण्ड की व्यवस्था – भ्रष्टाचार अधिकारी को दोषी पाये जाने पर उनके लिए कठोर दण्ड की व्यवस्था करनी चाहिए।

7.चुनाव सुधार – चुनाव सुधार होना चाहिए।

8.गैर राजनितिक संगठनों की आवश्यकता – भ्रष्टाचार दुर करने के लिए गैर राजनीति संगठनों की स्थापना होनी चाहिए जो भ्रष्ट अधिकारी के आचरण पर निगरानी रखे।

9.लोकपाल और लोकायुक्त की व्यवस्था शीघ्र करनी चाहिए।

आज के दिन में अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार मिटाने के वास्ते केन्द्र से लेकर राज्यों तक की जनता को जागरूक करते हुए आमरण, अनशन, धरणा प्रर्दशन किया। केन्द्र में विधेयक बिल दास करने की बात तक बढ गई, परन्तु अंत में ढाक के तीन पात की तरह बात रह गई। भ्रष्टाचार होने के बजाय सुखा की तरह और भी बढती जा रही है।

जहाँ तक मेरा अपना मानना है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन आज तभी संभव होगा, जब पूरे मानव समुदाय का चरित्र निर्मल होगा। जब तक व्यक्ति के ह्रदय में परिवर्तन नहीं आयेगा तब तक न तो भ्रष्टाचार जायेगा और न समाज से ही अतः भ्रष्टाचार का उन्मूलन अंसभव है।

राजनिति स्तर पर यह समस्यस और भी गंभीर है भ्रष्टाचार मिटाने के लिए जब हमारे देश में कोई क्रांतिकारी सरकार सत्ता में स्थापित नहीं होती तब तक इसे रोकना लोहे के चने चबाने के समान है, आज तो सभी मिले हुए है चोर – चोर मौसेरे भाई है। भ्रष्टाचारियों के मिली भगत से शासन और समाज का संचालन हो रहा है। बिल्ली के हाथ में दही का मटका, फिर शिकायत किसका?इसलिए जरूरत इस बात की है कि अपने ह्रदय परिवर्तन करे, विचार बदले और वैयक्ति जीवन में अधिक से अधिक नैतिक बने।

भ्रष्टाचार आज विश्वव्यापी समस्या का रूप अख्तियार कर संस्थागत एवं सैद्वांतिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहा है क्योंकि आधुनिक पूंजीवाद की अवधारणा के अंतर्गत विकास के लिए थोडा – थोडा भ्रष्टाचार आवश्यक है क्योंकि अगर व्यवसायी भ्रष्ट न हो तो लाभांश पर सरकारी आधिपत्य हो जाता है। और सरकार व्यवसायियों की कमायी को समाज कल्याण के नाम पर अनुत्पादक कार्यो में व्यव कर देती है। ऐसे जन – विरोधी सिद्वांतकारों के पूजींवादी सिद्वांतों को कुछ समय के लिए मान भी लिया जाये तो थोडा ' थोडा ही ठीक है अजगर की तरह समस्त संसाधनों को बिन डकारे हज्जम कर लेना किसी भी दशा में ठीक है।

" सात संमद की मसि करौ, लेखनी सब वनराय।
" धरती सब कागद करौ, भ्रष्टाचारी गुण लिखा न जाय।

आज देश की 52 प्रतिशत आबादी मात्र 20 रूपये में अपनी जीवन नैया को कराहते हुए खींच रही है और देश में नित्य नये – नये भ्रष्टाचार के मामले खुल रहे है। नेहरू के काल में हथियारों की खरीद में मात्र हजारों रूपये से शुरू हुआ घोटाला आज खरबो के घोटाले का महादैत्याकार रूप अपना चुका है। देश में व्याप्त भ्रश्टाचाी का खुले सरकारी मंच से उपर से चला एक रूपया जनता के पास पन्द्रह पैसा हो जाता है का पर्दाफास करने वाले राजीव गाँधी की सरकार 64 करोड के बोफोर्स घोटाला कर तो लेती है किंतु चली गई। 5000 करोड के संचार घोटाले में सुखराम का सुख छिन गया और प्रतिभृति घोटाले में हर्षद का हर्ष विशाद में बदल गया था। चारा घोटाले के लाल आज भी बेहाल है। मगर अब ऐसा नहीं हो रहा है अब तो घोटोले पर चर्चा तक करना राजनिति और राजनेताओं पर चर्चा की तरह ही समय की बर्बादी माना जाने लगा है ऐसा लगता है कि हमारी सारी संवदेनाएं भी मर चुकी है तभी तो झारखंड के कोडा पर न्याय का कोडा नहीं चल पर रहा है, मायावती आज करोडों के पंलग पर हार की हार की व्यथा से छटपटा रही है। जयललिता की हजारों रंगबिरंगी साडियों लहरा रही है। और तमिलनाडु जो सबसे शिक्षित व जागरूक प्रदेश माना जाता है कि जनता उनके सैण्डिल को रामपादुका की तरह अपना रही है। सोनिया गाँधी जो देश के नेतृत्व को नियंत्रित कर रही है। बोफोर्स के दलाल को देश से बाइज्जत विदा कर रही है। शायद इसलिये कि सदाशयता व ईमानदारी के कथित ढोल की उनकी पोल न खुल जाय। मनमोहन की मनमोहिनी अदा पर देश मिट रहा है और भ्रष्टाचारी मस्त – मस्त है क्योंकि इस सहदेव पंडित बोलती जो बंद है। राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, 2 जी घोटाला ने देश को मथा और जनलोकपाल की मांग होने लगी। जन लोकपाल बिल क्या पास होगा जन लोकपाल की मांग करनेवालों को ही सरकार शंडयंत्र रचकार बिल (छिद्र) में घुसने को विवश कर देना चाह रही है। लोकपाल बिल में विरोधी पक्ष नेता भी सरकारों (कद्रिय एवं प्रांतीय) को भ्रष्ट घोषित कर सरकार को अपदस्थ करने के गलाफाड कीर्तन करते करते थकते नही वे भी भ्रष्टाचार के विरूद्वजन लोकपाल बिल में बिल ही बिल (छिद्र) की वकालत कर रहे है। नतीजा सामने है। 2 जी घोटाला तो 175 लाख करोड रूपये का था, उसं पछाडते हुए 875 लाख करोड रूपये का कोयला घोटाला छिछलाने लगा है। कहने का तात्पये आज घोटालेबाजों में रेकाड तोडने की होड है। और समरथ को नहीं दोश गोसाई। ये सब सामर्थ्यवान है, नीति नियंता है, सरकार को चलानेवाले है इसलिए यह सब चलते रहेगा क्योंकिः

न थी हाल की जब हमें अपनी खबर, रहे देखते औरों के ऐब ओ हुनर।
पडी अपनी बुराईयों पे जब नजर, तो निगाह में कोई मुझसे बुरा न रहा।।
अतएव देश में भ्रष्टाचार है, भ्रष्टाचार से देश कराह रहा है, जनता मर रही है का राग अलापने भर से काम नहीं होगा।
पहले जैसा देश कहां, आध्यात्मिक आवेश कहां?
स्वप्न राम के टूट रहे है, राक्षस मिलकर लूट रहे हैं।।

वे रूदन मात्र से देश से भ्रष्टाचार मिटने वाला नहीं है, जरूरत होगी ठोस पहल करने की, मगर इस खूंखार बिल्ली के गले में पट्टा बांधेगा कौन?समस्या है। समाधान नेता और गिरगिटी प्रशासक नुमाइंदों के पास नहीं है जनता के पास है। महती त्याग की आवश्यकता है और कोई त्याग करना चाहता नहीं फिर से दधीचि के अवतार की आवश्यकता है।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,
We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net